

प्रश्नक

एसो के 0 माहेश्वरी,

सद्विव

उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,

विद्यालयी शिक्षा,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 21 मार्च, 2007

विषय: राजकीय इंटर कालेज रानीबाँरी, टिहरी के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या नियोजन-4/20007/जीए-सीए/भवन/2006-07 दिनांक 20-7-2006 के संदर्भ एवं शासनादेश संख्या: 127/माध्यमिक/2001 दिनांक 21-12-2001 एवं शासनादेश संख्या: 399/XXIV-3/2005 दिनांक 08-12-2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय इंटर कालेज रानीबाँरी, टिहरी के भवन निर्माण हेतु अनुमानित लागत रु० 247.18 लाख के सापेक्ष पूर्व स्वीकृत धनराशि रु० 220.43 लाख की समायाचित करते हुए बाक़ वित्तीय वर्ष 2006-07 में देय अवशेष धनराशि के सापेक्ष रु० 10.32 लाख (ऊपर दस लाख बत्तीस हजार मात्र) की धनराशि को प्रयोजन योग्यता में शासनादेश संख्या: 233/XXIV-3/2006 दिनांक 27-4-2006 द्वारा आपके निर्वातन पर रखी गयी धनराशि रु० 3090.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(1)- आगमन में उल्लिखित दरों का विरलेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमानित दरों को जो दरें हिरदयल आक रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगी। तदीपरान ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।

(2) - कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/ मानचित्र माहिर कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

(3) - कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(4) - एकमुद्रत प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन माहिर कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।

(5) - कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ बिडिबिडियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

(6) - कार्य करने से पूर्व स्थल का माली-मालि निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं माली-मालि के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण किया जाय।

(7) - आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

(8) - निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

(9) - निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐजेंसी उत्तरदायी होगी।

(10) यह कार्य इसी धनराशि से पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय बालू वित्तिय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा खलकंद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परियोजना-01-सामान्य शिक्षा-202-सांख्यिक शिक्षा-आयोजनागत - 00-11-राजकीय हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट कॉलेजों के भवनहीन/जीर्णोद्धार भवनों का निर्माण - 24-वृहद् निर्माण कार्य के नाम से उलाना जायेगा।

3- यह आदेश विल विभाग के अशासकीय संख्या : 1784/विल (अय नियंत्रण)अनु-3/06 दिनांक 19 मार्च, 2007 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

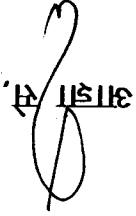
महोदय,

(एसओ नं० माहेश्वरी)
सचिव

संख्या: 35 (1)/XXIV-3/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
- 7- विलासिकापी, टिहरी।
- 8- कौशलिकापी, टिहरी।
- 9- विलासिकापी, टिहरी।
- 10- विल अनुभाग-3 / नियोजन प्रकोष्ठ।
- 11- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 12- संबंधित निर्माण एवं-सी राजकीय निर्माण विभाग।
- 13- कम्यूटर सेल (विल विभाग)
- 14- एनओओसी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गाई फाइल।

आज्ञा से,


(राजेश सिंह)
उप सचिव